

26.04.2017

फा.न. 1-75/वा.प्रति./रा.सं.सं./र.की.प./134.

सेवा में,


प्रभारी, शोध एवं प्रकाशन
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
मानित विश्वविद्यालय
56-57 इन्स्टीट्यूशनल एरिया,
जनकपुरी नई दिल्ली- 110 058

विषय- वार्षिक प्रतिवेदन का प्रेषण।

महोदय,

आपके पत्र संख्या रा.सं.सं./वा.प्र/2016-17/16 दिनांक 05.04.2017 के अनुपालन में मांगी गई वार्षिक प्रतिवेदन की रिपोर्ट तैयार कर एक प्रतिवेदन हिन्दी तथा अंग्रेजी में प्रेषित किया जा रहा है। एवं साथ ही फाण्ट सहित C.D. भी प्रेषित की जा रही है।

भवदीय


(प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु)
प्राचार्य

संलग्न:-

1. हिन्दी तथा अंग्रेजी में प्रतिवेदन की एक-एक प्रतियां।
2. फाण्ट सहित C.D.

वार्षिक प्रतिवेदन (2018-19)

राष्ट्रीय-संस्कृत-संस्थानम् (मानित-विश्वविद्यालय)

श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड -249301

परिसर परिचय - राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा श्रीरघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय (स्थापित 1908), देवप्रयाग को अपने त्रयोदश परिसर के रूप में दिनांक 16-06-2016 को अधिगृहीत किया गया। पूर्व महाविद्यालय की तरह इस परिसर का नामकरण भी दो पौराणिक नदी अलकनन्दा एवं भागीरथी के दिव्य संगमस्थल के समीप पहाड़ों की कत्यूरी-शैली में निर्मित प्राचीन श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर में विद्यमान प्रसिद्ध देवता श्रीरघुनाथजी के नाम पर हुआ है। यही स्थान वास्तविक रूप से गङ्गा का उद्गम-स्थान भी है।

दिनांक 16-06-2016 को इस परिसर का उद्घाटन उत्तराखण्ड के तत्कालीन माननीय शिक्षामन्त्री श्री मन्त्रीप्रसाद नैथानी द्वारा राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के माननीय कुलपति श्री पी-एन. शास्त्री, पूर्व राज्यसभा-सदस्य श्री एम. के. ध्यानी एवं सूचना आयुक्त श्री राजेन्द्र कोटियाल की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। यहाँ पूर्व से गतिमान् संस्कृत-महाविद्यालय ने परिसर को अपनी परिसरस्थ 3.443 हेक्टेयर भूमि दानस्वरूप दी। साथ ही उत्तराखण्ड सरकार ने भी 9.228 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई। इस प्रकार परिसर के पास कुल 23 एकड़ भूमि वर्तमान है जिसे सम्बद्ध परिसरीय समिति से परामर्श के पश्चात् आवश्यक शैक्षिक, प्रशासनिक आवासीयभवन (बालक छात्रवास, बालिका छात्रवास एवं स्टाफ क्वार्टर), ग्रन्थालय, सभागृह (अडिटरियम), खेल-मैदान (स्टाडियम) आदि के निर्माण हेतु सी. पी. डब्ल्यू. डी. की श्रीनगर शाखा को ले-आउट भूमि सौंप दी गई थी। परिसर-प्राचीर (बाउण्ड्री)-निर्माण-कार्य पूर्ण है और विविध भवन-निर्माण-कार्य उत्तराखण्ड के राज्यपाल के हाथ से शिलान्यास के पश्चात् मई 2017 से प्रारम्भ हो गई है। 02 शैक्षणिकभवन, प्राशासनिक भवन एवं छात्रावास निर्माण-कार्य प्रगति पर है।

परिसर की अवस्थिति - जहाँ तक परिसर की भौगोलिक, ऐतिहासिक, पौराणिक तथा शैक्षिक स्थिति का प्रश्न है, देवप्रयाग उत्तराखण्ड (पूर्व उत्तरांचल और इससे पूर्व उत्तरप्रदेश) में विद्यमान है जो सांस्कृतिक दृष्ट्या देवभूमि के नाम से प्रसिद्धि-प्राप्त है। इस देवभूमि में न केवल प्रसिद्ध ज्योतिर्मठों में अन्यतम श्रीवद्विकाश्रम-धाम अवस्थित है अपितु द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रधान श्रीकंदारनाथ जी भी यहाँ विराजमान हैं। साथ ही भारतीय संस्कृति की अमूल्य स्रोतस्विनी श्रीगंगा एवं श्री यमुना का उद्गम-स्थान भी यही पावन प्रदेश है। देवतात्मा हिमालय आज भी यहाँ पृथ्वी के मानदण्ड की गौरवमयी गाथा को अपनी अमित प्रभा से भासित कर रहा है। पौराणिक मान्यता (स्कन्दपुराण-कंदारखण्ड) के अनुसार देवशर्मा नामक तपस्वी के नाम से इस स्थान को

देवप्रयाग नाम से जाना जाता है जिन्होंने कभी यहाँ घोर तपस्या की थी। उत्तराखण्ड के पाँच प्रयागों में देवप्रयाग प्रथम प्रयाग है जिसके बाद रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, नन्दप्रयाग एवं विष्णुप्रयाग का क्रम आता है। देवप्रयाग का नगरीय-भूभाग तीन पर्वत-मालाओं से परिवेष्टित है। भगवान् श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर वाला भूप्रदेश गृद्धाचल श्रेणी में आता है, दूसरा भागीरथी का दक्षिण-तटीय भाग दशरथाचल शृंखला में है, तथा तीसरा अलकनन्दा-तटीय भाग नृसिंहाचल नाम से जाना जाता है। यहाँ की मान्यता के अनुसार, प्राचीन समय से ही देवप्रयाग का नृसिंहाचल विद्या-क्षेत्र के नाम से अभिहित है। उल्लेख्य है कि यह एक मात्र प्रदेश है जहाँ संस्कृत को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा बनाया गया है।

- उपलब्ध पाठ्यक्रम

वर्ष 2016 में प्रतिष्ठित इस परिसर में वर्ष 2018-19 में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद, वेदान्त एवं न्याय जैसे 06 विभागों में लग-भग 100 छात्रों को अधोलिखित कक्षाओं में नियमित शिक्षा प्रदान किया जा रहा है जिन्हें उपर्युक्त पारम्परिक विषयों के साथ-साथ स्नातक-समकक्ष आधुनिक विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं कंप्यूटर साइंस आदि) का भी ज्ञान कराया जाता है।

- प्राक-शास्त्री (इंटर मीडिएट)
- शास्त्री (स्नातक)
- आचार्य (स्नातकोत्तर)
- विद्यावारिधि (पी-एच-डी-) - इस परिसर में अब कुल 06 शोधछात्र शोधकार्य कर रहे हैं।

- अग्रिम-पाठ्ययोजना

अग्रिम वर्षों में यहाँ शिक्षाशास्त्री (बी-एड-) कक्षा भी खोलने की सम्भावना है।

- अनौपचारिक संस्कृत-शिक्षण -

- संस्कृत-सम्भाषण-पाठ्यक्रम - संस्कृत में बोलने को प्रोत्साहित करने के लिए अनौपचारिक रूप से सम्भाषण-संस्कृत की कक्षा भी चलाई जाती है। गतवर्ष परिसर में सम्भाषण-शिविर चलाया गया था जिसमें राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की प्रथम दीक्षा एवं द्वितीय दीक्षा का पाठ्यक्रम पढाया गया। आगे भी परिसर में ऐसे अनेक कार्यक्रम चलाने की योजना है।

- प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सर्टिफिकेट कोर्स) - भविष्य योजना के रूप में यहाँ ज्योतिष, वास्तु एवं योग आदि विषयों पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम चलाये जायेंगे।

वार्षिक गतिविधि

वर्ष 2018-19 में परिसर में विविध-कार्यक्रम सम्पन्न हुये। परिगरीय गतिविधि एवं कार्यक्रमों को तीन भागों में बांटा जा सकता है -

- राष्ट्रिय अन्ताराष्ट्रिय कार्यक्रम
- सांस्कृतिक-कार्यक्रम
- शैक्षणिक-कार्यक्रम
- छात्रप्रतिभा-प्रदर्शन

राष्ट्रिय-अन्ताराष्ट्रिय-कार्यक्रम

• संस्कृत-सप्ताह-महोत्सव (27.08.2018 – 04.09.2018)

- उद्घाटनकार्यक्रम 27.08.2018 को सम्पन्न हुआ जिम में मुख्यातिथि – महन्त श्री गजेश्वररूप, विशिष्टातिथि – लोकनिर्माणविभाग के महायक अभियन्ता श्री गजीवकुमार वर्मा, कनिष्ठ अभियन्ता – श्री जितेन्द्रप्रकाश एवं अध्यक्ष – परिसरप्राचार्य प्रो. के.वी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे।
- सम्पूर्तिकार्यक्रम 04.09.2018 को सम्पन्न हुआ जिम में , मुख्यातिथि – वाल्मीकी संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य श्रेयांस द्विवेदी, विशिष्टातिथि – पौडीजिलाम्थ उपजिलाधीश – श्री रामजीशरण शर्मा, स्वागतभाषणकर्ता प्रो. वनमाली विश्वाल, संयोजक: – डा. आर. बालमुरुगन् तथा अध्यक्ष - परिसरप्राचार्य प्रो. के.वी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे। इस अवसर पर विविध-प्रतियोगिता समायोजित किये गये और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हिन्दीपक्षोत्सव - (14.09.2018 से 28.09.2018)

- उद्घाटनकार्यक्रम 14.09.2018 को सम्पन्न हुआ जिम में मुख्यातिथि – डा. नरेन्द्रप्रतापसिंह (हरिद्वारम्य देवसंस्कृतिविश्वविद्यालय के हन्दीविभागसमन्वयक), मुख्यवक्ता – डा. सुशील कोटनाला एवं अध्यक्ष: - परिसरप्राचार्य प्रो. के.वी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का सम्पूर्तिकार्यक्रम - 28.09.2018 को सम्पन्न हुआ जिम में सारस्वतातिथि – प्रो. आजादसिंह (पूर्वप्राचार्य, भोपालपरिसर), मुख्यातिथि – प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित (कुलपति, उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालय), विशिष्टातिथि – सुशील उपाध्याय, श्री मोहनजी, श्री भरतसिंह कोटियाल और डा. अमरजीवलोजन तथा अध्यक्ष - परिसरप्राचार्य प्रो. के.वी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे। इस अवसर पर डा. सुशील कोटनाला को श्रीरघुनाथकीर्ति-हिन्दी-मेवा-सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजक – प्रो. वनमाली विश्वाल, सहसंयोजक - डा. वीरेन्द्र सिंह वर्न्वाल भी अपने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये। इस अवसर पर विविध-प्रतियोगिता समायोजित किये गये और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

• राष्ट्रिय योगदिवस - 21-06-2018

• स्वातन्त्र्यदिवसोत्सव- 15.8.18

• गणतन्त्र-दिवस: - 26.01.2019

• गान्धीजयन्ती, स्वच्छभारताभियान - 02.10.18

- सतर्कतादिवसोत्सव (vigilance day) - परिसर में 29-10-2018 सतर्कतादिवसोत्सव पालित हुआ जिम में मुख्यातिथि एवं विशिष्टातिथि मध्यजिलाप्रचारक श्री मोहन एवं देवप्रयाग के सत्र इंस्पेक्टर - जी. एस. तेगी उपस्थित रहे।

- राष्ट्रिय एकता-सप्ताह - मरदार बल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में परिमर में 31-10-2018 से 03-11-2018 को राष्ट्रिय-एकता-सप्ताह पालित हुआ जिस में मुख्यातिथि प्रो. भगवत् शरण शुक्ल उपस्थित रहे।
- मातृभाषादिवस - दिनाङ्क 21-02-2019 को परिमर में मातृभाषादिवस आयोजित हुआ। इस अवसर पर गढ़वालीभाषा के प्रचारप्रसार के लिए सङ्गठित आखरमिति के अध्यक्ष डा. गन्दीप रावत ने त्रिशिष्टातिथि के रूप में उद्घोषित किया तथा गढ़वाली भाषा में काव्यपाठ किया।

विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम

- गणेशचतुर्थी - दिनाङ्क 23.09.2018 को परिमर में गणेशचतुर्थी के अवसर पर गणेश-पूजन
- वसन्तपञ्चमी- दिनाङ्क 22-01-2018 को परिमर में वसन्त-पञ्चमी के अवसर पर गरम्बती-पूजन
- श्रद्धाञ्जलि-कार्यक्रम - दिनाङ्क 18.12.2018 को आचार्य-रामकरणशर्मा जी को श्रद्धाञ्जलि दी गई।

राष्ट्रिय कविगोष्ठी

- दिनाङ्क 19.02.2019 को परिमरीय आधुनिक-संस्कृत-साहित्य-संसाधन-केन्द्र की ओर से परिमर में राष्ट्रिय संस्कृत-कविगोष्ठी आयोजित की गई। परिमर-प्राचार्य की अध्यक्षता में सम्पन्न इस कविगोष्ठी में प्रो. वनमालीविश्वाल, डा. शैलेन्द्र-प्रसाद-उनीयाल, डा. मुकेशकुमार, डा. आशुतोष गुप्त, डा. वीरेन्द्र वर्तवाल-प्रभृति कवियों ने संस्कृत-हिन्दी-गढ़वाली-भाषाओं में स्वरचित काव्य प्रस्तुत किये। प्रायः सभी कविओं ने पुलवामा आक्रमण में शहीदों को अपने काव्यों के माध्यम से श्रद्धाञ्जलि प्रस्तुत किये।

राज्यस्तरीय शास्त्रीयस्पर्धा

- परिमर में दिनाङ्क 15-11-2018 से 17-11-2018 तक 'राज्यस्तरीय-शास्त्रीय-स्पर्धा (2018) आयोजित की गई जिसके अन्तर्गत परिमरीय, विद्यालयीय, महाविद्यालयीय, विश्वविद्यालयीय छात्र-छात्राओं ने विविध-प्रतियोगिताओं में भागग्रहण किया। अधिकाधिक संख्या में भागग्रहण करनेवाले प्रतिभागियों में से अधोलिखित छात्र विजेता एवं पुरस्कृत हुये।

इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं का विवरण इस प्रकार -

- कण्ठपाठ - काव्यकण्ठपाठ, भगवद्गीताकण्ठपाठ, अष्टाध्यायीकण्ठपाठ, धातुरूपाकण्ठपाठ और अमरकोषकण्ठपाठ
- भाषणस्पर्धा - साहित्यभाषण, वेदान्तभाषण, और वेदभाष्यभाषण।
- शलाकापरीक्षा - साहित्यशलाका, व्याकरणशलाका और पुराणोत्तिहासशलाका परीक्षा
- शास्त्रीयस्फूर्तिस्पर्धा
- समस्यापूर्ति
- शास्त्रविचार
 - राज्यस्तरीय-शास्त्रीय-स्पर्धाओं में त्रिशिष्टातिथि और निर्णायक के रूप में डा. शैलेश तिवारी, श्री आर.पी.यादव, श्री ए.के. राय और डा. राकेश भट्ट एवं सारस्वतातिथि - डा. रङ्गाचार्य शतावधानी तथा अध्यक्ष - परिमरप्राचार्य प्रो. के. वी. मुन्वरायुडु उपस्थित रहे।

इन स्पर्धाओं में परिसर के अधोलिखित छात्र पुरस्कृत हुये -

क्र.	प्रतियोगिता	छात्र	कक्षा
1	काव्याकण्ठपाठ	दीपक नौटियाल	प्राक्-शास्त्री - I
2	अमरकोष-कण्ठपाठ	राम तिवारी	प्राक्-शास्त्री - II
3	भगवद्गीता-कण्ठपाठ	मोहित शर्मा	प्राक्-शास्त्री - I
4	वेदान्त-भाषण	अनुरुद्ध कुमार त्रिपाठी	आचार्य-- II
5	व्याकरणशलाका	श्यामदेव	शास्त्री - III
6	शास्त्रार्थविचार	हरीश डंगवाल	शोधच्छात्र (व्याकरण)
		किशोर कुमार	शोधच्छात्र (न्याय)
7	शास्त्रीयस्फूर्तिस्पर्धा	हरीश डंगवाल	शोधच्छात्र (व्याकरण)
		किशोर कुमार	शोधच्छात्र (न्याय)

- उत्तराखण्ड-संस्कृतशिक्षकसम्मेलन

दिनांक 17.11.2018 को परिमर में उत्तराखण्ड-संस्कृत शिक्षकसम्मेलन सम्पन्न हुआ जिस में मुख्यातिथि - संस्कृतभारती के क्षेत्रीयमंडलमन्त्री श्री प्रतापसिंह, विशिष्टातिथि - डा. शैलेश तिवारी तथा अध्यक्ष - परिमरप्राचार्य प्रो. के. वी. सुब्रह्मण्यु उपस्थित रहे।

अन्ताराष्ट्रिय एवं राष्ट्रिय-संगोष्ठी

परिमर में विविधविभागीय कुल 07 अन्ताराष्ट्रिय एवं राष्ट्रिय-संगोष्ठीओं का आयोजन दिनांक 28-01-2019 से 04.02.2019 तक पुनश्च दिनांक 18-02-2019 से 23.02.2019 तक सम्पन्न हुआ।

- अन्ताराष्ट्रिय-संगोष्ठी

व्याकरण-विभागीय द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 28-01-2019 से 29-01-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - समाशक्तौ परावर्तन चिन्दवः। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में संस्कृतभारती के क्षेत्रीयमंडलमन्त्री श्री प्रतापसिंह, प्रो. विजयपालशास्त्री, डा. ब्रजभूषण ओझा, डा. शशिभूषणमिश्र, डा. शैलेश तिवारी, श्रीमोहन उपस्थित रहे।

साहित्य-विभागीय द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 30-01-2019 से 31-01-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - संस्कृतसाहित्ये बौद्धपरम्पराया योगदानम्। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. विजयपालशास्त्री, प्रो. रामलखन पाण्डेय, डा. निरञ्जनमिश्र डा. शशिभूषण मिश्र उपस्थित रहे।

ज्योतिष-विभागीय द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 01-02-2019 से 02-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - देववास्तुविमर्शः। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी, प्रो. वासुदेव शर्मा, प्रो. राकेशभट्ट उपस्थित रहे।

राष्ट्रियसंगोष्ठी

आधुनिक-विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिया संगोष्ठी 03-02-2019 से 04-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - लोकसंस्कृति का इतिहास मे अन्तःसम्बन्धः। मुख्यातिथि विशिष्टातिथि एवं सत्राध्यक्ष के रूप में डा.देवानन्द शुक्ल, डा. विनोद तनंजा, डा. प्रीति शुक्ला, प्रो. मोहनलाल भट्ट, प्रो. प्रेमचन्द्र शास्त्री एवं श्री पवनकुमार उपस्थित रहे।

वेद-विभागीया द्विदिवसीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 18-02-2019 मे 19-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय – वेदेषु देवतावादः। मुख्यानिति विशिष्टानिति एवं मन्त्राध्यक्ष के रूप में प्रो. रामराज उपाध्याय, डा. रामानुज उपाध्याय, डा. धर्मानन्द राउते, डा. रामप्रसाद झा उपस्थित रहे।

न्याय-विभागीया द्विदिवसीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 20-02-2019 मे 21-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय – वैशेषिकमूत्रोपकारस्य-विशेषविचाराणां परिशीलनम्। मुख्यानिति विशिष्टानिति एवं मन्त्राध्यक्ष के रूप में प्रो. महावलेश्वरभट्ट, डा. गणवेन्द्र पी आगेल्ली उपस्थित रहे।

वेदान्त-विभागीया द्विदिवसीया राष्ट्रिया संगोष्ठी 22-02-2019 मे 23-02-2019 तक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय – मोक्षसाधनसामग्री-विमर्शः। मुख्यानिति विशिष्टानिति एवं मन्त्राध्यक्ष के रूप में प्रो. महावलेश्वरभट्ट, प्रो. गणपतिभट्ट, डा. भगवान् सामन्तराय उपस्थित रहे।

विविधविभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला

परिगर में विविध-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला 28-01-19 मे 22-02-2019 तक सम्पन्न हुआ

- व्याकरणविभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला 28-01-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- समामवृत्तिविमर्शः। मुख्यवक्ता – डा. ब्रजभूषण ओझा (वी.एन.यू, वाराणसी)
- साहित्य-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला 30-01-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- बौद्धसंस्कृतसाहित्ये अनुवाद अर्थनिर्धारणस्य समस्याः सम्भावनाश्च। मुख्यवक्ता – प्रो. विजयपालशास्त्री (एकलव्यपरिगरः, गरली)
- वेद-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला 18-02-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- 'श्रौतयागेषु चानुर्माग्ययागः। मुख्यवक्ता – प्रो. रामराज उपाध्याय (लालबाहादुर राष्ट्रिय संस्कृतविद्यापीठम्, नवदेहली)
- ज्योतिष-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला 01-02-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- वागन्तुशास्त्रस्य लोको पयोगिन्वम्। मुख्यवक्ता – प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी (कुलपति, उत्तराखण्ड – संस्कृत- विश्वविद्यालय)
- आधुनिक-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला 03-02-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- संस्कृत और संस्कृत के अध्येताओं के भविष्य में कंप्यूटर का योगदान। मुख्यवक्ता – डा. देवानन्द शुक्ल (राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली)
- वेदान्त-विभागीया विशिष्ट-व्याख्यानमाला 22-02-2019 को सम्पन्न हुआ। व्याख्यान-विषय- ज्ञानकर्मसमुच्चयविचाराः। मुख्यवक्ता – प्रो. महावलेश्वरभट्ट (पूर्व-आचार्य शृङ्गेरीपरिगर)

संस्कृत-सम्भाषण-लेखनानुवादप्रशिक्षणवर्ग

- परिगर में अन्तर्वरमामस्य 20 दिनाङ्क मे 22 दिनाङ्क पर्यन्त त्रिदिवसीय संस्कृत-सम्भाषण-लेखनानुवादप्रशिक्षणवर्ग सञ्चालित हुआ। इस वर्ग में उत्तराखण्डराज्य के विविध स्थानों मे समागता 5 शोधच्छात्र, श्रीरघुनाथकीर्ति परिगर के 8 छात्रा, इस प्रकार कुल मिला कर 13 प्रतिभागी भाग-ग्रहण किये। इस वर्ग में प्रातः काल 9 बजे से सायं 6 बजे तक विविध मन्त्रों में प्रत्यक्षविधि से सम्भाषणाभ्यास, भाषाशुद्ध्यर्थ व्याकरणाभ्यास, क्रीडाद्वारा भाषा का अभ्यास, कथालापनाभ्यास और अनुवाद का अभ्यास कराया गया। वर्ग के समापनकार्यक्रम अन्तर्वरमाम के 22 तारिख को सम्पन्न हुआ जिस में

मुख्यातिथि के रूप में परिमर के व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. वनमालीविश्वाल उद्बोधन किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिमर प्राचार्य: प्रो. के. वी. मुख्वायुडु ने की और वर्ग का प्रतिवेदन संयोजक डा. मुकेशशर्मा ने प्रस्तुत किया।

संस्कृत में इतिहास, इतिहास में संस्कृत विषय पर विशिष्ट व्याख्यान

- दिनांक 15.02.2019 को परिमर में दिल्ली विश्वविद्यालय से आये प्रो. गंधामाश्रव भारद्वाज का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित था जिस में उन्होंने संस्कृत में इतिहास और इतिहास में संस्कृत उग विषय पर महत्वपूर्ण एवं गारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

शोधसमित्युपवेशन

- दिनांक 23.08.2018 को एवं 13.03.2019 को परिमर में शोधसमिति की बैठक सम्पन्न हुई।

छात्र-प्रतिभा-प्रदर्शन

- दिनांक 6.9.2018 को उत्तराखण्डसर्वकारद्वारा आयोजित खण्डस्तरीय स्पर्धाओं में छात्रों ने भागग्रहण किया जहाँ छात्र प्रायः सभी प्रतियोगिताओं में विजेता रहे।
- दिनांक 12.9.2018 से 13.9.2018 तक उत्तराखण्ड सरकार द्वारा आयोजित जिलास्तरीय स्पर्धाओं में छात्रों ने भागग्रहण किया और अनेक प्रतियोगिताओं में विजेता रहे।
- दिनांक 19.9.2018 से 20.9.2018 तक उत्तराखण्ड सरकार द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय स्पर्धाओं में छात्रों ने भागग्रहण किया और वहाँ भी अनेक प्रतियोगिताओं में विजेता रहे।
- अन्तःपरिसरीयनाट्यस्पर्धायां परिसर का भागग्रहण
- केरल के गुरुवायूर-परिमर में मार्च 08 से 11 तक आयोजित पोटथ- अन्तःपरिसरीयनाट्यस्पर्धा में परिमर के नाट्यदल ने श्रीहर्षप्रणीत रत्नावली-नाटिका प्रस्तुत की जहाँ प्राचार्यसमेत नाट्यदल के मार्गदर्शक के रूप में डॉ. शैलेन्द्रप्रसाद-उनीयाल, डा. नीनेशद्विवेदी तथा डॉ.गणेशभट्ट उपस्थित रहे।

सत्रार्थपरीक्षा एवं वार्षिकपरीक्षा सम्पन्न

- सत्रार्थपरीक्षा – दिनांक 8.12.18 से 15.12.2018 तक परिमर में सत्रार्थपरीक्षा सम्पन्न हुई
- वार्षिकपरीक्षा – दिनांक 23.03.19 से 29.03.19 तक परिमर में प्राक्-शास्त्री – वार्षिकपरीक्षा सम्पन्न हुई

छात्रविवरण

- प्रवेश- सत्र २०१८-१९
- (क) नियमित छात्र

क्र. सं.	कक्षा	कुल	छात्र	छात्राँ	अनु. जा.	अनु.ज. जा.	अ.पि.व.	सामान्य
1.	प्राक्शास्त्रीप्रथमवर्ष	05	05	00	00	00	00	05
2.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	08	08	00	00	00	00	08

3.	शास्त्रीप्रथमवर्ष	22	21	01	00	00	05	17
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	20	19	01	00	00	00	20
5.	शास्त्रीतृतीय वर्ष	19	18	01	00	00	00	19
6.	आचार्यप्रथमवर्ष	-	-	-	-	-	-	-
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	08	08	00	00	00	00	08
08	विद्यावारिधि	07	07	00	00	00	00	07
	कुल योग	८९	७३	०८	००	००	०५	८४

• छात्रवृत्ति (सत्र २०१८-१९)

क्र.सं.	कक्षा	कुल	पुरुष	महिला	छात्रवृत्ति
1.	प्राक्शास्त्रीप्रथमवर्ष	05	05	00	600
2.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	08	08	00	600
3.	शास्त्रीप्रथमवर्ष	22	21	01	800
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	20	14	06	800
5.	शास्त्रीतृतीय वर्ष	19	18	01	800
6.	आचार्यप्रथमवर्ष	-	-	-	-
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	08	08	00	1000
8.	विद्यावारिधि	07	07	00	8000
	कुल योग	८९	७३	०८	-

• परीक्षा परिणाम

• (क) नियमितपरीक्षाएँ (गत सत्र २०१८-१९)

क्र.सं.	कक्षा	कुल	सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत%
1.	प्राक्शास्त्रीप्रथमवर्ष	05	05	05	100%
2.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	08	08	08	100%
3.	शास्त्रीप्रथमवर्ष	23	23	19	82.60%

4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	22	22	17	77.27%
5.	शास्त्रीतृतीय वर्ष	19	19	18	94.73%
6.	आचार्यप्रथमवर्ष				
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	08	08	08	100%
कुल योग		८५	८५	७५	८८.२३%

Annual Report (2018-19)

Rashtriya Sanskrit Sansthan, Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag, Pauri Garhwal, Uttarakhand - 249301

About the Campus (Brief History of the Campus) : Shri Raghunatha kirti Adarsha Sanskrit Mahavidyalaya (Estd.1908), Devaprayaga, Uttarakhand was taken over by Rashtriya Sanskrit Sansthan on 16th June, 2016 as its 13th constituent Campus. Like the former Mahavidyalaya, the campus is also named after the famous ancient deity Shri Raghunathaji shrined in the ancient Raghunatha temple constructed in the Katyuri style of Katyuri dynasty of the mountains on the holy confluence of two important mythological rivers, namely, Bhagirathi and Alaknanda from where exactly the river Ganga is originated.

Because of this cultural, spiritual and educational background, the campus was inaugurated here on 16.06.16 by Mr. Mantriprasad Naithani, the then Hon'ble Education Minister of Uttarakhand in the precious presence of Prof. P.N. Shastri, the Vice chancellor of Rashtriya Sanskrit Sansthan along with M. K. Dhyani, the Ex Rajyasabha Member and Mr. Rajendra Kotiyal, the Suchana Ayukta, Uttarakhand. The former Sanskrit Mahavidyalaya has donated its premises with a vast land measuring 3.443 hectares and simultaneously the Govt. of Uttarakhand has also allotted some adjourned portion of land measuring 9.228 hectares. Now the campus has total land of 23 acres. The land with the complete approved lay-out plan has been handed over to CPWD (Shrinagar Branch) for the construction of the campus building. The construction of Boundary is complete and the construction works of all other required blocks including Academic, Administrative and residential (Hostel for Boys and Girls both, Guest House and several types of Staff Quarters) along with Library hall, Auditorium and Stadium (play ground) etc. are in well progress.

Campus Location : So far as the geographical, historical, cultural, mythological and educational status is concerned, Devaprayaga comes in the state of Uttarakhand (formerly Uttaranchal and still formerly Uttarpradesh) which is popularly and culturally known as Devabhumi or the divine land. This state of Devabhumi is adorned not only with one of the famous Jyotirmathas called Shribadrikashrama but with one of the twelve jyotirlingas, namely, Shrikedarnatha. The province has the credit of being the sources of two vedic as well mythological rivers Ganga and Yamuna. Even today also the divine-souled (Devatatma) Himalaya stands here as the measuring pole of the earth as if to glorify the state.

According to the Kedarakhanda of the Skanda-Purana, the name Devaprayaga came into existence on the very name of the sage Shri Deva Sharma who has undergone a severe penance in this auspicious place. Devaprayaga has the credit of being recognised as the first prayaga among the five prayagas of Uttarakhand, followed by Rudra prayaga, Karna Prayaga, Nanda prayaga and Vishnu prayaga respectively. The small but important city Deva prayaga is surrounded with atleast three series of mountains, namely, Griddhachala, Dasharathachala and Nrisimhachala etc. The Nrisimhachala part of Devaprayaga was famous earlier as a centre of learning in entire Uttarakhand being categorically named as vidyakshetra where exactly the campus is situated now. It is the only state where Sanskrit is accepted as its second official language.

Regular Courses Offered : The newly established campus now functions with six departments where traditional subjects like Vyakarana, Jyotisha, Sahitya, Veda, Vedanta and Nyaya are taught along with the modern Subjects like Hindi, English, History, computer science etc. (up to graduation or Shastri level). Around hundred students are admitted this year to following different classes :

- **Prak Shastri** (Intermediate)
- **Shastri** (B.A.)
- **Acharya** (M.A.)
- **Vidyavaridhi** (Ph.D.) : Time to time the campus is also committed to offer research programmes for the award of Vidyavaridhi (Ph.D.) degree of Rashtriya Sanskrit Sansthan. At present a number of research students are enrolled in the campus for their Ph.D. works.

Future Courses

- **Shiksha Shastri (B.Ed.)** : Shiksha Shastri (B.Ed.) course is to be started here in next academic years which is specifically meant for the training of Sanskrit teachers.
- **Distance Education** – The campus will run above mentioned all the courses through Distance Education of the Mukta-svadhyaapeetha of Rashtriya Sanskrit Sansthan.

Non-formal Sanskrit Teaching Courses

- **Non-formal course of Spoken Sanskrit** : The campus has also undertaken a non-formal course of Spoken Sanskrit to enable the students to speak Sanskrit fluently. Last year also the campus has arranged classes for teaching the students through the *prathama diksha* and *dvitiya diksha* i.e. the self learning Sanskrit study materials of Rashtriya Sanskrit Sansthan.
- **Certificate Course** : The campus is planning to run some Certificate Courses on Jyotisha, Vastu and Yoga etc. in forthcoming years.

Extra Curricular Activities / Functions/Seminars/Workshops etc.

The Campus also organizes department-wise National Seminars, Work-shops and Extension Lectures etc. time to time on different subjects. Last year the campus has conducted all such programs. However, this year the Vyakarana Department, the Sahitya Department and the Jyotisha Department of campus have organised three different international seminars.

Special lecture Series - Special lecture Series of different Departments of the campus were arranged from 28.01.19 to 22.02.19.

- **Special lecture Series of Vyakaran Department** : Special lecture Series of Vyakaran Department was arranged on 28.01.19. The Topic of the Lecture *समामवृत्तिविमर्शः*. The Chief Speaker : Dr. Brajabhushan Ojha (BHU).

- **Special lecture Series of Sahitya Department** : Special lecture Series of Sahitya Department was arranged on 30.01.19. The Topic of the Lecture : बौद्धसंस्कृतसाहित्ये अनुवादे चार्थनिर्धारणस्य समस्या: सम्भावनाश्च . The Chief Speaker : Prof. Vijay Pal Shastri (Garli Campus).
- **Special lecture Series of Veda Department** : Special lecture Series of Veda Department was arranged on 18.02.19. The Topic of the Lecture : "श्रौतयागेपु चातुर्मास्ययागः. The Chief Speaker : Prof. Ramaraja Upadhyaya (L.B.S. New Delhi).
- **Special lecture Series of Jyotisha Department** : Special lecture Series of Jyotisha Department was arranged on 01.02.2019. The Topic of the Lecture : ब्रह्मशास्त्रस्य लोकोपयोगित्वम्. The Chief Speaker : Prof. Devi Prasad Tripathi (Vice Chacellor, Uttarakhand Sanskrit University).
- **Special lecture Series of Modern Department** : Special lecture Series of Modern departments was arranged on 03.02.2019. The Topic of the Lecture : संस्कृत और संस्कृत के अध्येताओं के भविष्य में कंप्यूटर का योगदान. The Chief Speaker : Dr. Devananda Shukla .
- **Special lecture Series of Vedanta Department** : Special lecture Series of Vedanta Department was arranged on 22.02.2019. The Topic of the Lecture : जानकर्मसमुच्चयविचाराः. The Chief Speaker : Prof. Mahabaleshvar Bhatta.

International / National Seminars

International / National Seminars were arranged by all Departments from 28.01.2019 to 10.02.2018 and from 28.01.2019 to 23.02.2019 on different subjects as per the details given below:

- Two days International Seminar of **Vyakarana Department** was arranged from 28-01-2019 to 04-02-2019. The Central Theme of the Seminar: समासशक्तौ परावर्तन विन्दवः. The scholars like श्री प्रतापसिंह, प्रो. विजयपालशास्त्री, डा. ब्रजभूषण ओझा, डा. शशिभूषणमिश्र, डा.शैलेश तिवारी, श्रीमोहन etc. were present in the inaugural as well as valedictory sessions of the seminar.
- Two days International Seminar of **Sahitya Department** was arranged from 30-01-2019 to 31-01-2019. The Central Theme of the Seminar : संस्कृतसाहित्ये बौद्धपरम्पराया योगदानम्. The scholars like – प्रो. विजयपालशास्त्री, प्रो. रामलखन पाण्डेय, डा. निरञ्जनमिश्र, डा. शशिभूषण मिश्र etc. were present in the inaugural as well as valedictory sessions of the seminar.
- Two days International Seminar of **Jyotisha Department** was arranged from 01.02.2019 to 02.02.2019 . The Central Theme of the Seminar : देववास्तुविमर्शः. The scholars like प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी, प्रो. ब्रामुदेव शर्मा, प्रो. राकेशभट्ट etc. were present in the inaugural as well as valedictory sessions of the seminar.
- Two days National Seminar of **Modern Departments** was arranged from 03.02.2019 to 04.02.2019. The Central Theme of the Seminar : लोकसंस्कृति का इतिहास मे अन्तःसम्बन्धः. The scholars like – डा.देवानन्द शुक्ल, डा. विनोद तनेजा, डा. प्रीति शुक्ला, प्रो. मोहनलाल भट्ट, प्रो.

प्रेमचन्द्र शास्त्री, श्री पवनकुमार etc. were present in the inaugural as well as valedictory sessions of the seminar.

- Two days National Seminar of **Veda Department** was arranged from 18-02-2019 to 19-02-2019. The Central Theme of the Seminar : वेदेषु देवतावादः The scholars like प्रो. रामराज उपाध्याय, डा. रामानुज उपाध्याय, डा. धर्मानन्द राउमे, डा. रामप्रसाद झा etc. were present in the inaugural as well as valedictory sessions of the seminar.
- Two days National Seminar of **Nyaya Department** was arranged from 20.02.2019 to 21.02.2019. The Central Theme of the Seminar : वैशेषिकसूत्रोपकारम्-त्रिशेषत्रिचाराणां परिशीलनम्. The scholars like प्रो. महाबलेश्वरभट्ट, डा. राघवेन्द्र पी आरोल्ली etc. were present in the inaugural as well as valedictory sessions of the seminar.
- Two days National Seminar of **Vedanta Department** was arranged from 22.02.2019 to 23.02.2019. The Central Theme of the Seminar : मोक्षसाधनसामग्री-विमर्शः. The scholars like प्रो. महाबलेश्वरभट्ट, प्रो. गणपतिभट्ट, डा. भगवान् सामन्तराय etc. were present in the inaugural as well as valedictory sessions of the seminar.
- **All India Poetry symposium** – An all India Poetry symposium was held in the evening of 19.02.2019 which was presided by Prof. K.B.Subbarayudu and conducted by Dr. Nitesh Kumar Dvivedi. The eminent poets were : Prof. Banamali Biswal, Dr. Ashutosh Gupta, Dr. Virendra Singh Bartwal, Dr. Mukesh, Dr. Shailendra Prasad Uniyal etc. Most of the poets recited poems on the sacrifices of Indian Army.

Campus website Updated - Campus website is opened before two years which can be visited at www.srkcampus.org. A number of new events are added to this site during this year.

Research and Publication

Along with the teaching of all the regular courses of Rashtriya Sanskrit Sansthan, the campus is also dedicated to all sorts of Research and Publication.

Publication of Research journals and periodicals : From the first year the Campus has planned to publish four Research journals and periodicals of which some are published and some are delayed due to the delay in the allotment of ISSN.

- **Devabhumisaurabham** - An annual International Research journal
- **Sanskritaganga** – Campus Research journal
- **Raghunathakirtipataka** – Annual Magazine of the Campus
- **Raghunathavartavali** - quarterly Newsletter of the Campus (in all 11 issues have been so far published)

Departmental Research journals : In addition to that, 07 Departmental Research journals are being published from all the Departments of Campus such as Vyakarana, Sahitya, Veda, Vedanta, Jyotisha, Nyaya and Modern. The first issues of all the Departmental Journals are published. This year the second issues of the following Departmental Journals are published.

- Vyakarana – Shabdi Tripathaga - 2
- Sahitya – Sahiti - 2

Various Literary / Cultural Events

Celebration of Sanskrit Week : Sanskrit Week was celebrated on the auspicious occasion of Shravani Purnima from 27.08.2018 – 04.09.2018. Various competitions like Gitakanthapatha, Kavyakanthapatha, Essay writing, Elocution etc. were arranged among students and the winners were awarded with several prizes. The Sanskrit week was inaugurated by Mahant Shri Rajesh Svarup Shri Rajiv Kumar Varma, Shri Jitendra Prakash etc. Sanskrit Week celebration was concluded on **04.09.2018**. The Concluding ceremony was presided over by the Principal of Campus where Dr. Shreyansh Dvived, the Vice Chancellor of Valmiki Sanskrit University addressed the function as chief guest. Prof. Banamali Biswal also spoke on this occasion after welcoming the guests. Dr. R. Balmurugan was the convenor of the celebration.

Hindi Pakhavada Celebration : Hindi Pakhavada was Celebrated from 14.09.2018 - 28.09.2018. Various competitions like Essay writing, Elocution etc. were arranged in Hindi among the students and administrative employees of the campus and the winners were awarded with prizes. The Hindi Pakhavada was inaugurated by Dr. Susheel Kotnala, Shri Bharat Singh Kotiyal, Shri Mohan etc. Hindi Pakhavada was concluded on **28.09.2018**. The Concluding ceremony was presided over by the Principal of Campus where Prof. Azad mishra, Prof. Piyush kant Dikshit, Dr. Amarjiv lochan addressed the function as chief guest and special guests. The co-ordinator Prof. Banamali Biswal welcomed the guests. Dr. Virendra singh Bartwal was the convenor of the celebration. Dr. Susheel Kotnala was awarded with Shri Raghunath Kirti Hindi Sevasammana. Prizes and certificates were distributed to the winners of different competitions.

National Yoga day Celebration : National Yoga day was Celebrated on 21.06.19

Independence day : Independence day was celebrated on 15th August, 2018

Republic day : Republic day was observed from 26-10-2019

Svacchatadivasa : Svacchatadivas was organized on the auspicious occasion of Gandhi Jayanti on 02-10-2018 where the staff and the students cleaned the campus in groups.

Vigilance Awareness Day : Vigilance Awareness Day was observed in the campus on 29-10-18. Shri Mohan and the Sub-Inspector of Devapraya Shri G.S. Negi, Prof. Banamali Biswal along with the principal Prof. K.B. Subbarayudu etc. addressed the Function.

National Unity week - National Unity week was organized between 31-10-2018 - 03-11-2018 on the auspicious occasion of birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patet . Prof. Bhagavat Sharan Shukla was the chief guest and Prof. Banamali Biswal spoke on the occasion. The function was presided by Prof. K.B. Subbarayudu.

Matribhashadivasa : Mother language day or Matribhashadivasa was observed on 21-02-2019. Dr. Sandip Rout, the Head of Akhar Samiti addressed as a chief Guest and recited poems in Garhwali. All teaching and non-teaching staff with students were present in this program.

Ganesh Chaturthi – Ganesh Chaturthi was observed on 23.09.2018 with the worship of Ganesh

Vasanta Panchami -Vasanta Panchami was observed on 22-01-2018 with the worship of Sarasvati
Tribute – A Tribute was paid to Prof. ramakaran Sharma on 18.12.2018

Annual day – Annual day was celebrated on 20. 04.2018. Various sports competitions were arranged among the students and the winners were awarded with prizes and certificates. The Annual day Function was presided by Prof. K.B. Subbarayudu, the Principal of the campus, where Dr. C.Y. Singh, the Principal of Shri Raghunath Kirti Inter College, Dev Prayag addressed as the chief guest while Prof. Banamali Biswal presented the Annual Report in detail.

Student Participation

16th Inter campus Drama Competition : Campus Students Participated in 16th Inter Campus Drama Competition held at Guruvayur Campus of Rashtriya Sanskrit Sansthan from 08-03-19 to 11-03-19 and staged the drama Ratnavali composed by Shriharsha. The drama team was guided by Dr. Shailendra Prasad Uniyal, Dr. Nitesh Dvivedi and Dr. Rakesh Bhatta. The presentation was appreciated by the audience.

National level Shastric Competition : Students participated in the National level Shastric Competition (Rajyastariya-shastra-sparidha) from 15-11-2018-17-11-2018 held in the Campus, where the students of the campus and other Institutes of Uttarakhand participated. The competitions were held for several Kanthapathas (काव्यकण्ठपाठ, भगवद्गीताकण्ठपाठ, अष्टाध्यायीकण्ठपाठ, धातुरूपकण्ठपाठ and अमरकोषकण्ठपाठ), Bhashanasparidha (साहित्यभाषण, वेदान्तभाषण and वेदभाष्यभाषण), several Shalakaparikshas (साहित्यशलाका, व्याकरणशलाका and पुराणोतिहासशलाका), Shastriyasphurtisparidha, Samasyapurti and Shastrarthavichara. Dr. Shailesh Tiwari, Shri R.P. Yadav, Shri A.K. Roy, dr. rangacharya Shatavadhani and Rakesh Bhatta etc. were invited as judges for this occasion.

The following students of campus were winners in this National level Shastric Competition :

Sl. No	Name of the Competition	Name of the student	Class
1	Kavyakanthapatha	Dipak nautiyal	Prakshastri Ist year
2	Amarakosha kanthapatha	Rama Tiwari	Prakshastri II year
3	Bhagavadgitakanth apatha	Mohit Sharma	Prakshastri Ist year
4	Vedantabhashana	Anuruddha kumar Tripathi	Acharya II year
1.	Vyakaranashalaka	Shyamadeva	Shastri 3 rd year
2.	Shastrarthavichara	Harish Dangwal	Research Scholar, Vyakaran
		Kishor Kumar	Research Scholar, Nyaya
3.	Shastriya Quiz	Harish Dangwal	Research Scholar, Vyakaran

	Kishor Kumar	Research Scholar, Nyaya
--	-----------------	-------------------------

Some of the winners were recommended to participate in All India Shastric Competition held at Agartala Campus of Rashtriya Sanskrit Sansthan.

Block Level Sanskrit Competition of Uttarakhanda Govt. - The students of the campus have participated in the Block Level Sanskrit Competition of Uttarakhanda Govt. on 06.09.2018 and became winners in almost all the events.

District Level Sanskrit Competition of Uttarakhand Govt. - The students of the campus have participated in the District Level Sanskrit Competition of Uttarakhand Govt. from 12.09.2018 – 13.09.2018 and became winners in many of the events.

State Level Sanskrit Competition of Uttarakhanda Govt. - The students of the campus have participated in the State Level Sanskrit Competition of Uttarakhanda Govt. on 19.09.2018 – 20.09.2018 and became winners in many of the events.

Enrichment of the Library of the Campus : The campus is planning to develop a rich library of books and manuscripts (also in digital form) in the forthcoming years. The following three Resource centre have been opened in the Campus library :

1. **Resource Centre of Modern Sanskrit Literature :** The Campus has established a special Section on Modern Sanskrit literature in the library under the banner of Resource Centre of Modern Sanskrit Literature co-ordinated by Prof. Banamali Biswal. This particular Centre will fulfil the desideratum in this field as nowhere in India one can find the complete collection of Modern Sanskrit Literature. The Centre was inaugurated by Dr. Satyapal Singh, the honourable state Minister of Higher Education, Ministry of HRD on 08.11.2017
2. **Resource Centre of Manuscripts:** The Campus has opened another special Section for manuscripts in the library. Through this centre the Campus will collect and Preserve ancient, rare and important manuscripts on different subjects from different sources.
3. **Resource Centre of Buddhist Sanskrit Literature :** The Campus also has opened another special Section for Buddhist Sanskrit Literature under the banner of Resource Centre of Buddhist Sanskrit Literature co-ordinated by Dr. Prafulla Gadpal. The Centre was inaugurated on 04.02.2018 during Sahitya seminar.

Future Plan

International Seminar : A three days International Seminar is proposed on उत्तराखण्डविद्यावैभवम् which can be organized on the availability of funds.

Workshops/ Special Lectures

- **Workshops on Lekhananuvada-prashikshana** : The Campus has organized a workshop on Lekhananuvada-prashikshana from 20.10.18 to 22.10.18 where 13 participants have participated from the campus and outside the campus. Prof. K.B.Subbarayudu, Prof. Banamali Biswal and convenor Dr. Mukesh Kumar addressed the workshop in several occasions.
- A Special Lecture was arranged in the campus on 15.02.2019 on संस्कृत में इतिहास और इतिहास में संस्कृत. The lecture was delivered by Prof. Radhamadhav Bharadwaj and preside by Prof. Banamali Biswal.

Uttarakhanda Sanskrita-shikshaka-sammelana

Campus has organized Uttarakhanda Sanskrita-shikshaka-sammelana on 17.11.2018. Dr. Shailesh Tiwari, Shri Pratap Singh, Dr. rangacharya Shatavadhani and Rakesh Bhatta etc. were present in the inaugural and the closing session of the event.

Meetings of Local Research committee : A Local Research committee is formed under the Chairmanship of the Principal of the Campus Prof. K.B. Subbarayudu and the co-ordinatorship of Prof. Banamali Biswal with the External Members Prof. Mahavir Prasad Agrawal and Prof. Vinit Ghildiyal to assess the works of the Research scholars and to assess the books and Periodicals to be published from the Campus and to finalise the proposals of projects and seminars etc. Two meetings of Research committee have been held during the year on 23.08.2018 and 13.03.2019.

Achievements of Faculties : The Academic achievements of Faculties are noteworthy during the year. All the Faculties including Prof. K.B. Subbarayudu, Prof. Banamali Biswal, Dr. R. Balmurugan, Dr. Kripa Shankar Sharma, Dr. Prafulla Gadpal and other guest faculties like Dr. Birendra Singh Bartwal, Dr. Nitesh Kumar Dvivedi, Shriom Sharma, Dr. Shailendra Prasad Uniyal and Dr. Suresh Kumar etc. have attended and presented papers in several International/ National Seminars and workshops.

Resources : The Campus has all sorts of Academic Resources like Smart Class, Projector, Computer Lab with internet facilities for both Teachers and students

Refresher Courses - Refresher Course by Dr. Prafulla Gadpal (05.01.19-25.01.19)

Semester Examination – 8.12.18 -15.12.2018

Annual Examination –23.03.19 -29.03.19

Number of R.T.I. received : Nil

Details about Students

1. (a) Admissions (In the session 2018-19)

S.No.	Class	Total	Male	Female	S.C.	S.T.	O.B.C.	Gen.
1.	PrakShastri - I	05	05	00	00	00	00	05

2.	PrakShastri - II	08	08	00	00	00	00	08
3.	Shastri- I	22	21	01	00	00	05	17
4.	Shastri - II	20	14	06	00	00	00	20
5.	Shastri - III	19	18	01	00	00	00	19
6.	Acharya - I	-	-	-	-	-	-	-
7.	Acharya-II	08	08	00	00	00	00	08
8.	Vdiyavaridhi	07	07	00	00	00	00	07
	Grand Total	89	73	08	00	00	05	89

2. Scholarship (In the session 2018-19)

S.No.	Class	Total	M	F	Scholarship
1.	PrakShastri - I	05	05	00	600
2.	PrakShastri - II	08	08	00	600
3.	Shastri - I	22	21	01	800
4.	Shastri - II	20	14	06	800
5.	Shastri - III	19	18	01	800
6.	Acharya - I	-	-	-	1000
7.	Acharya - II	08	08	00	1000
10.	Vidya-Varidhi (Ph.D.)	07	07	-	8000
	Grand Total	89	73	08	

3. RESULTS (a) Regular Exams (In the session 2018-19)

S.No.	Class	Appeared	Pass	%
1	PrakShastriIst	05	05	100%
2	PrakShastriIInd	08	08	61.01%
3	ShastriIst	23	19	82.60%
4	ShastriIInd	22	17	77.27%
5	ShastriIIrd	19	18	94.73%
6	AcharyaIst	-	-	-
7	AcharyaIInd	08	08	100%

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मा.वि)
श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

दिनांक:-

कक्षानुसार छात्रों का प्रवेश विवरण (वर्ष- 2016-17)

क्र.सं.	कक्षा	योग	पुरुष	महिला
1.	प्राक्शास्त्री-1	10	10	-
2.	शास्त्री-1	23	22	01
3.	आचार्य-1	03	03	00
4.	आचार्य-2	01	01	00
5.	विद्यावारिधि	03	03	-
पूर्णयोग		40	39	01

कक्षानुसार छात्रों का प्रवेश विवरण (वर्ष- 2017-18)

क्र.सं.	कक्षा	योग	पुरुष	महिला
1.	प्राक्शास्त्री-1	09	09	-
2.	प्राक्शास्त्री-II	08	08	-
3.	शास्त्री-1	23	16	07
4.	शास्त्री-II	22	21	01
5.	शास्त्री-III	-	-	-
6.	आचार्य-1	16	15	01
7.	आचार्य-II	03	03	-
8.	विद्यावारिधि	03	03	-
पूर्णयोग		84	75	09